ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-07-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-22	2023-07-23	2023-07-24	2023-07-25	2023-07-26
वर्षा (मिमी)	40.0	25.0	20.0	25.0	35.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	34.0	36.0	35.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	26.0	25.0	26.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	45	45	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	12	12	12	13
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	70	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (14-20 जुलाई) में 179.4 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.2 से 34.5 डिग्री सेल्सियस और 25.4 से 27.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकांश दिन आसमान में बादल छाए रहे। सुबह 0712 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 72 से 95% के बीच रही तथा शाम 1412 बजे 50 से 92% के बीच रही। हवा की गति 2.0 से 5.2 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर थी। 25 जुलाई तक आने वाले पांच दिनों के लिए पूर्वानुमान में 20-40 मिमी तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान, क्रमशः 34-36 डिग्री सेल्सियस और 24-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 12-14 किमी प्रति घंटे के बीच होगी और हवा की दिशा अधिकतर पूर्व-उत्तर-पूर्व रहेगी। 21, 22, 24 और 25 जुलाई को अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है और 23 जुलाई, 2023 को इसी तरह की स्थिति कई जगहों पर अनुमानित है । चेतावनी: 21, 22, 23, 24 और 25 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली और तीव्र बारिश के संबंध में पीला अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

पांच दिवसीय जिला पूर्वानुमान के अनुसार, 22-24 जुलाई के दौरान अधिकांश स्थानों पर वर्षा की तीव्रता हल्की से मध्यम होगी। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि आगामी सप्ताह में वर्षा 72.1 मिमी होगी जो राज्य के लिए सामान्य (103.3 मिमी) से कम होने का अनुमान लगाया गया है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह, आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें तथा बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की से मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियाँ उसी के अनुसार की जानी चाहिए।.

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपाई इसी महीने में पूरी कर ली जानी चाहिए और 10 दिन के अंदर प्लॉटों में खली जगहों तथा मरे हुए पौधों की जगह पर फिर से रोपाई कर लेनी चाहिए। इसके अलावा, पहले से ही रोपे गए धान में मौसम साफ होने पर उर्वरकों और खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग किया जा सकता है। धान के खेत की निराई 20 और 40 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए. यदि श्रमिक उपलब्ध नहीं है, तो रोपाई के 3 दिन के भीतर ब्यूटाक्लोर 50 ई.सी. 3 लीटर प्रति हेक्टेयर या एनिलोफोस 30 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर या प्रेटिलाक्लोर 50 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।सभी रासायनिक छिड़कावों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
गन्ना	जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और गन्ने की जड़ों पर पर्याप्त मिट्टी चढ़ायें। जब फसल की बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बांध दें।
मक्का	खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करनी चाहिए. मक्के की बुवाई पूरी कर लेनी चाहिए और जल जमाव की स्थिति से बचने के लिए रिज फ़रो बुवाई का पालन करना चाहिए। जून में बोई गई मक्के की फसल में बुवाई के 15 और 30 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। जब फसल लगभग 2 फीट की ऊंचाई की हो जाए तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए ।हालाँकि, खेती के सभी कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँग	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में मूंग की बुवाई का सर्वोत्तम समय जुलाई का द्वितीय पखवाड़ा है और भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्रा इकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें।बुवाई कार्य तब करना चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बुवाई कार्य करना चाहिए।
काला चना	तराई-भावर एवं मैदानी छेत्रों में उर्द की बुवाई का सर्वोत्तम समय जुलाई का द्वितीय पखवाड़ा है और भरपूर उत्पादन हेतु जैव नियंत्रक ट्रा इकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम/कि. ग्रा. बीज से उपचारित बीजो का प्रयोग करें। इसके साथ साथ बीजो का जैव उर्वकों जैसे राइजोबियम एवं पी. एस. बी.की लगभग 200 ग्राम /10 कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। बुवाई कार्य तब करना चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो इसलिए पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए बुवाई कार्य करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	जल जमाव के कारण होने वाले नुकसान से बचने के लिए मिर्च की रोपाई मेड़ों पर की जानी चाहिए और पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी होनी चाहिए। उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए क्योंकि अधिक मात्रा में खेत में लगभग 24 घंटे तक पानी रहने से फसल सूख जाती है। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रोपाई का कार्य किया जाना चाहिए।
टमाटर	किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/ लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
गोभी	रोपी गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों भैं सोंकी सों सों ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफसुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। मानसून के दौरान, मवेशियों को शेड में ही रखा जाना चाहिए और रोगाणु/जीवाणु से बचने के लिए नियमित सफाई की जानी चाहिए।